
जब प्राण तन से निकले

➤➤ मृत्यु जीवन का सच

➤➤ _ ➤➤ We Brought Nothing Into This World... We Carry Nothing Out Of This World...

→ हर मनुष्य के अवचेतन मन में मृत्यु का भय है

➤➤ _ ➤➤ अंत मति सो गति

→ व्यक्ति वैसे ही शरीर छोड़ता है... जो उसकी जीवन भर धारणा रही हो...

■ जो स्मृतियाँ उसे जीवन भर रही हों

→ दूसरों को मरते हुए देखकर कभी व्यक्ति यह नहीं सोचता की

■ एक दिन मैं भी मर जाऊँगा

→ जीवन जीने की कला का वर्णन तो बहुत होता है

■ “पर मरें कैसे ?” - इसका वर्णन बहुत कम होता है

➤➤ _ ➤➤ कभी न खतम होने वाली दौड़

→ मनुष्य भाग रहा है, बस भाग ही रहा है

■ कहाँ भाग रहा है ? - ये शायद उसे नहीं पता

→ ये जितने भी बड़े बड़े भवन / साधन इकठे किये हैं

■ ये नहीं रहेंगे

→ जीवन में कितनी गलतियां हो रही हैं

■ पर उस पर ध्यान बिल्कुल भी नहीं है

➤➤ _ ➤➤ शरीर छोड़ते समय ब्रह्मा बाबा की अवस्था

→ कर्मयोग से कर्मभोग पर विजय

→ 3 और अनुभव

■ “बाबा हम आपके पास आ रहे हैं” - बाबा से कहा

■ सभी बच्चों के प्रति शुद्ध स्नेह

■ “आत्मा शरीर के एक एक अंग को छोड़ती जा रही है” - यह

अनुभव किया

➤➤ मृत्यु की घड़ी में कौनसी 7 बातें होनी चाहिए ? (7 YES)

जब मृत्यु आ जाए तो हम क्या करें ?

मृत्यु को मीठा / सुखद कैसे बनाएं ?

» _ » होश

→ सम्पूर्ण जागरण की अवस्था में मृत्यु होनी चाहिए

- जिसने अपना पूरा जीवन होश में जीया होगा... वही होश में मर

सकता है

→ होश में जीना अर्थात वर्तमान में जीना

- NO THOUGHTS OF PAST & FUTURE

→ TAKE ONE DAY AT A TIME & MAKE IT A MASTERPIECE

» _ » खुशी

→ मृत्यु मातम का अवसर नहीं

- खुशी का अवसर होना चाहिए

→ खुशी में शरीर वही छोड़ सकता है... जिसका जीवन

- एक CELEBRATION था

- एक MUSIC था

- एक गीत था

» _ » सम्पूर्ण संतुष्टता

→ जीवन में जो कुछ करना था... सब कर लिया

- पुरुषार्थ... योग... तपस्या... सेवा

→ जाते हुए भी परम तृप्ति का अनुभव

→ दैवी असंतोष - अहो भाग्य

- शरीर छोड़ने से पहले जगदीश भाई जी के वाक्य :- “मैं बाबा को प्रतक्ष्य

नहीं कर पाया”

» _ » उपराम अवस्था

→ कोई आसक्ति नहीं

» _ » निराकारी , निर्विकारी , निरहंकारी स्थिति

→ जीवन में लम्बा समय इन अवस्थाओं का अनुभव चाहिए

- अचानक से ये अवस्था नहीं आएगी

» _ » एक बाबा की याद

→ कोई देहधारी बुधी में न हो

- किसी से कोई लेना देना न हो

➡ ➡ ➡ “अब घर जाना है” - यह स्मृति रहे

→ अब बाबा के पास जाना है

➤➤ मृत्यु की घड़ी में कौनसी 7 बातें नहीं होनी चाहिए ? (7 NO)

➡ ➡ ➡ NO ATTACHMENT

→ नष्टोमोहा स्थिति

■ इस देह के प्रति भी कोई आकर्षण नहीं

■ अगर हम किसी व्यक्ति के लिए बेचैन रहते हैं तो अंत में वही

याद आएगा

■ कोई मैं और मेरापन नहीं

➡ ➡ ➡ NO COMPLAINTS

→ कोई बदले का भाव नहीं

➡ ➡ ➡ NO REPENTANCE (THE MOST IMP)

→ कोई पश्चाताप नहीं

■ मैं वही सब कह रहा था जो दुनिया वाले कर रहे थे बस फर्क

सिर्फ इतना था की मैंने WHITE DRESS और BEDGE पहना हुआ था

➡ ➡ ➡ NO SORROW

➡ ➡ ➡ NO FEAR

→ मेरे मरने के बाद

■ परिवार का क्या होगा ?

■ सेवाओं का क्या होगा ?

→ यह हमारा भ्रम है की

■ हम ही सब कुछ संभाल रहे हैं

➡ ➡ ➡ NO PAIN

→ आत्म अभिमानी अवस्था से

■ शरीर के सभी दर्द भूल जाएँ

➡ ➡ ➡ NO HOSPITAL

→ वैसे इस पर हमारा कोई कण्ट्रोल नहीं है

■ हमारी मृत्यु वैसे हो जैसे ब्रह्मा बाबा ने शरीर छोड़ा

■ हम शरीर ऐसे छोड़ें जैसे मक्खन से बाल

>> हम मृत्यु को मीठा बनाने के लिए कौनसे 7 प्रकार के पुरुषार्थ करें ? (7 EFFORTS)

➤ ➤ ➤ अचानक, एवर रेडी और बहुत काल का पुरुषार्थ

➤ ➤ ➤ हर घड़ी अंतिम घड़ी

→ Live This Day As It Is Your Last Day.....

■ सोचो हम कैसे ये दिन बिताएंगे अगर हमें पता चल जाए की हम आज शाम को 6 बजे शरीर छोड़ने वाले हैं

➤ ➤ ➤ मरजीवा जन्म - Dying Alive - जीते जी मरना

→ देह की वासनाओं से मरना

→ सांसारिक आकर्षणों से मरना

➤ ➤ ➤ वैराग

➤ ➤ ➤ गहन तपस्या

➤ ➤ ➤ सारे हिसाब किताब चुक्तु

→ कोई नया हिसाब किताब नहीं बनाना

■ किसी देहधारी को विशेष न बनाओ

➤ ➤ ➤ ड्रिल

→ आने और जाने की
